जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

भारत सरकार पंजीयन नं. : 72322/91

शेखावाटी सन्मार्ग

मामनुस्मर युद्ध्य च
जयन्ती प्रकाशन लक्ष्मणगढ़

सतीनां वै सतांचैव दातृणां विदुषां तथा।
आकरं गुण शीलानां लक्ष्मणदुर्गं मनोहरम्।।

नमोस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै।
नमोस्तु रुद्रेन्द्र यमानिलेभ्यो नमोस्तु चन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः।।

Mob: 9828665353
Web: www.srrividya.com

पाक्षिक । वर्ष–32 । अंक–21 । लक्ष्मणगढ 16 अगस्त 2023 । मूल्य (विशेषांक सहित) 100 रु. वार्षिक ।

जनवरी 2024 को 14 लघुकथाकारों का होगा सम्मान

बीकानेर के रवि पुरोहित अन्तरराष्ट्रीय श्रेष्ठ लघुकथा रत्न से होंगे सम्मानित

बीकानेर (निजसंवाददाता) । नारी अभिव्यक्ति मंच 'पहचान', फरीदाबाद द्वारा बीकानेर के वरिष्ठ साहित्यकार रवि पुरोहित सहित 14 लघुकथाकारों को शकुन्तला कपूर स्मृति श्रेष्ठ लघुकथा सम्मान से जनवरी 2024 में समादृत किया जाएगा। संस्थान की अध्यक्ष कमल कपूर ने बताया कि अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित होने वाले लघुकथा संकलन हेतु लघुकथाएं आमंत्रित की गई थी, जिसमें 225 लघुकथाकारों की रचनाएं विचारार्थ प्राप्त हुई थी। इन लघुकथाओं में से बीकानेर के लघुकथाकार रवि पुरोहित के साथ डॉ. अखिलेश पालरिया, अनघा जोगलेकर, डॉ. उपमा शर्मा, आचार्य नीरज शास्त्री, प्रीति मिश्रा, मधु जैन, राधेश्याम भारतीय, राममूरत राही, डॉ. रश्मि बजाज, वंदना रानी दयाल, विमला नागला, डॉ. संध्या तिवारी, सृष्टि सिन्हा सहित 14 लघुकथाकारों का चयन अन्तरराष्ट्रीय श्रेष्ठ लघुकथा रत्न सम्मान के लिए किया गया है। उपाध्यक्ष डॉ. अंजु दुआ 'जैमिनी' ने बताया कि जनवरी, 2024 में आयोज्य भव्य समारोह में 'तपती पगडंडियों के पथिक' पुस्तक का लोकार्पण व चयनित लघुकथाकारों का सम्मान किया जाएगा। समादृत प्रत्येक लघुकथाकार को तिल-फूल राशि, प्रशस्ति-पत्र, शुभ्र मोती माला व किताब कलम के स्मृति चिह्न अर्पित किये जायेंगे।

साहित्य अकादमी, दिल्ली, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर, राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर, राजस्थान सरकार, रोटरी क्लब, हिन्दी साहित्य संसद, चूरू, महेन्द्र जाजोदिया पुरस्कार, दिल्ली सहित देश-प्रदेश की अनेक संस्थाओं से सम्मानित-पुरष्कृत रवि पुरोहित पूर्व में भी राष्ट्रीय स्तर की अनेक प्रतियोगिताओं के विजेता रहे हैं।

शिक्षाविद् शर्मा को मिली विभागीय पदोन्नति उपनिदेशक के पद पर हुए पदोन्नत

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता)। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रामनिवास शर्मा को विभागीय पदोन्नति आदेश में उपनिदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया है।

राजस्थान शिक्षा (राज्य अधीनस्थ) सेवा नियम 2021 की अनुसूची -1(समूह क-1) के अंतर्गत गठित विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसा पर शिक्षाविद् रामनिवास शर्मा को शिक्षा विभाग में उपनिदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया है। शर्मा के पदोन्नति आदेश पर शिक्षक संगठनों, शिक्षक नेताओं ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया अमृत महोत्सव

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) 15 अगस्त । श्री शारदा सदन पुस्तकालय में स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव में राष्ट्रीय ध्वजोत्तोलन के कार्यक्रम के बाद सामूहिक राष्ट्रगीत का गायन हुआ | इस अवसर पर अध्यक्ष आचार्य नटवरलाल जोशी, अर्जुनलाल वर्मा, डॉ. बनवारीलाल शास्त्री, राधेश्याम जांगिड़, प्रदीप कुमार बिजारणिया एवं प्रदीप शर्मा ने राष्ट्र की सेवा के लिए हर प्रकार से सबको तैयार रहने की अपील की | श्याम उपाध्याय ने एक मधुर कविता प्रस्तुत की | इस शुभावसर पर रामावतार पंवार, हर्षनाथ नाहरिया, शशिकांत जोशी, अमित खुड़ीवाला, अनूप खुड़ीवाला, भानु प्रकाश जोशी, शंभू शर्मा, अरुण सैनी आदि सहित अन्य नागरिक बंधु उपस्थित थे। समारोह के बाद प्रसाद वितरण किया गया |

नगर में अमृत महोत्सव बहुत उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया | सभी को अमृत महोत्सव की हार्दिक शुभकामनायें | सम्पादक

निकेतन में जोश और उमंग से संपन्न हुआ अलंकरण एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

लक्ष्मणगढ़ | (निजसंवाददाता) 3 अगस्त | विनायक शिक्षण समूह के मुख्य प्रबंध निदेशक नवरंग चौधरी की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ के अध्यक्ष शशि प्रकाश जोशी एवं पूर्व पालिकाध्यक्ष लक्ष्मणगढ़ महावीर सैनी की गरिमामय उपस्थिति में बगड़िया बाल विद्या निकेतन में संपन्न हुआ नव निर्वाचित विद्यार्थी परिषद का शपथ ग्रहण समारोह व सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2023 में उत्कृष्ट परिणाम देने वाले होनहार विद्यार्थियों का प्रतिभा सम्मान समारोह।

कार्यक्रम की शुरुआत मंचस्थ महानुभावों द्वारा माँ वागेश्वरी के वक्ष के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। हिमांशी जोशी व समूह द्वारा सरस्वती वंदना के बाद बगड़िया स्कूल प्राचार्या मधुलिका मिश्रा द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। कक्षा 3 व 4 की नृत्य प्रस्तुतियों (ज़ज्बा व बादल पे पांव है) ने सभी का मन मोह लिया तो वहीं कक्षा 11 की बच्चियों की जोशीली प्रस्तुति (दिल तो जिद्दी है) ने सभी को झूमने पे मजबूर कर दिया। शिविका के भाषण व युवराज के काव्य पाठ के साथ चले संस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी श्रोताओं को बांधे रखा।

विनायक शिक्षण समूह के मुख्य प्रबंध निदेशक नवरंग चौधरी, अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ के अध्यक्ष शशि प्रकाश जोशी, पूर्व पालिकाध्यक्ष लक्ष्मणगढ़ महावीर सैनी, निकेतन सचिव पवन गोयनका, प्राचार्या मधुलिका मिश्र, बगड़िया बी. एड. प्राचार्य डॉ नरेश दाधीच, पुरातन छात्र संदीप शर्मा, अभिभावक हर्षनाथ नाहरिया, पत्रकार प्रदीप शर्मा, अग्रवाल समाज के संदीप बजाज व माण्टेसरी इंचार्ज निधि जोशी मंचासीन रहे।

नवरंग चौधरी, शशि प्रकाश जोशी, महावीर सैनी व नरेश दाधीच ने नव निर्वाचित विद्यार्थी मंडल का मार्गदर्शन किया और साथ ही साथ उत्कृष्ट परिणाम की बधाई दी।

निकेतन सचिव पवन गोयनका, प्राचार्या मधुलिका मिश्र, बगड़िया बी. एड. प्राचार्य डॉ. नरेश दाधीच, व माण्टेसरी इंचार्ज निधी जोशी ने आगंतुक महानुभावों का माल्यार्पण, साफा व स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत सत्कार किया।

कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता विपिन शर्मा व पंकज गुगानी के सफल निर्देशन में पलक जाजोदिया व वशिंका जाजोदिया ने किया।

विविध अभिभावकों व अन्य गणमान्य नागरिकों ने समारोह में उपस्थिति दी।

सम्पादकीय

" सन्मार्ग एव सर्वत्र पूज्यतेनाऽपथः क्वचित् "

प्रजातंत्र में शासक वर्ग का कर्त्तव्य और दायित्व

जैसे वीणा के विस्तृत तार सातों स्वरों का अनुसरण करते हैं, उसी प्रकार शासक अपने कर्मचारियों को योग्यतानुसार कर्मो में संलग्न देख उन सब के अनुकूल व्यवहार करे |

शासकको चाहिये कि सबका प्रिय करे, किंतु धर्म में बाधा न आने दे। प्रजागण को 'यह मेरा ही प्रियगण है' ऐसा समझने - वाला शासक पर्वत के समान अविचल बना रहता है।

जैसे सूर्य अपनी विस्तृत किरण का आश्रय ले सबकी रक्षा करते हैं, उसी प्रकार शासक प्रिय और अप्रिय को समान समझकर सुदृढ़ उद्योग का अवलम्बन करके धर्म की ही रक्षा करे।

जो लोग कुल, स्वभाव और देश के धर्म को जानते हो, मधुरभाषी हो, युवावस्था में जिनका जीवन निष्कलङ्क रहा हो, जो हितसाधन में तत्पर और घबराहट से रहित हों, जिनमें लोभ का अभाव हो, जो शिक्षित, जितेन्द्रिय, धर्म- निष्ठ तथा धर्म एवं अर्थ की रक्षा करने वाले हों, उन्हीं को शासक अपने समस्त कार्यों में लगावे ।

इस प्रकार शासक सदा सावधान रहकर राज्य के प्रत्येक कार्य का आरम्भ और समाप्ति करे। मन में संतोष रखे और गुप्तचरों की सहायता से राष्ट्र की सारी बातें जानता रहे ।

जिसका हर्ष और क्रोध कभी निष्फल नहीं होता, जो स्वयं ही सारे कार्यों की देखभाल करता है तथा आत्मविश्वास ही जिसका खजाना है, उस शासक के लिये यह वसुन्धरा (पृथ्वी) ही धन देने वाली बन जाती है ।

जिसका अनुग्रह सब पर प्रकट है तथा जिसका निग्रह (दण्ड देना) भी यथार्थ कारण से होता है, जो अपनी और अपने राज्य की सुरक्षा करता है, वही शासक राजधर्म का ज्ञाता है ।

जैसे सूर्य उदित होकर प्रतिदिन अपनी किरणों द्वारा सम्पूर्ण जगत् को प्रकाशित करते (या देखते) हैं, उसी प्रकार शासक सदा अपनी दृष्टि से सम्पूर्ण राष्ट्र का निरीक्षण करे।

गुप्तचरों को बारंबार भेजकर राज्य के समाचार जाने तथा स्वयं अपनी बुद्धि के द्वारा भी सोच-विचारकर कार्य करे ।

बुद्धिमान् शासक समय पड़ने पर ही प्रजा से धन ले । अपनी अर्थ-संग्रह की नीति किसी के सम्मुख प्रकट न करे। जैसे बुद्धिमान् मनुष्य गाय की रक्षा करते हुए ही उससे दूध दुहता है, उसी प्रकार शासक सदा पृथ्वी का पालन करते हुए ही उससे धन का दोहन करे ।

जैसे मधुमक्खी क्रमशः अनेक फूलों से रस का संचय करके शहद तैयार करती है, उसी प्रकार शासक समस्त प्रजा – जन से थोड़ा-थोड़ा द्रव्य लेकर उसका संचय करे ।

जो धन राज्य की सुरक्षा करने से बचे, उसी को धर्म और उपभोग के कार्य में खर्च करना चाहिये । शास्त्रज्ञ और मनस्वी शासक को कोषागार के संचित धन से द्रव्य लेकर भी खर्च नहीं करना चाहिये ।

थोड़ा-सा भी धन मिलता हो तो उसका तिरस्कार न करे । शत्रु शक्तिहीन हो तो भी उसकी अवहेलना न करे । बुद्धि से अपने स्वरूप और अवस्था को समझे तथा बुद्धिहीनों पर कभी विश्वास न करे ।

धारणाशक्ति, चतुरता, संयम, बुद्धि, शरीर, धैर्य, शौर्य तथा देश-काल की परिस्थिति से असावधान न रहना-ये आठ गुण थोड़े या अधिक धन को बढ़ाने के मुख्य साधन हैं अर्थात् धनरूपी अग्नि को प्रज्वलित करने के लिये ईंधन हैं ।

थोड़ी-सी भी आग यदि घी से सिंच जाय तो बढ़कर बहुत बड़ी हो जाती है । एक ही छोटे-से बीज को बो देने पर उससे सहस्रों बीज पैदा हो जाते हैं। इसी प्रकार महान् आय- व्यय के विषय में विचार करके थोड़े-से भी धन का अनादर न करे ।

शत्रु बालक, जवान अथवा बूढ़ा ही क्यों न हो, सदा सावधान न रहने वाले मनुष्य का नाश कर डालता है । दूसरा कोई धन सम्पन्न शत्रु अनुकूल समय का सहयोग पाकर शासक की जड़ उखाड़ सकता है। इसलिये जो समय को जानता है, वही समस्त शासकओं में श्रेष्ठ है ।

द्वेष रखने वाला शत्रु दुर्बल हो या बलवान्, शासक की कीर्ति नष्ट कर देता है, उसके धर्म में बाधा पहुँचाता है तथा अर्थोपार्जन में उसकी बढ़ी हुई शक्ति का विनाश कर डालता है; इसलिये मन को वश में रखनेवाला शासक शत्रु की ओर से लापरवाह न रहे ।

हानि, लाभ, रक्षा और संग्रह को जानकर तथा सदा परस्पर सम्बन्धित ऐश्वर्य और भोग को भी भलीभाँति समझकर बुद्धिमान् शासक को शत्रु के साथ संधि या विग्रह करना चाहिये; इस विषय पर विचार करने के लिये बुद्धिमानों का सहारा लेना चाहिये ।

प्रतिभाशालिनी बुद्धि बलवान् को भी पछाड़ देती है । बुद्धि के द्वारा नष्ट होते हुए बल की भी रक्षा होती है। बढ़ता हुआ शत्रु भी बुद्धि के द्वारा परास्त होकर कष्ट उठाने लगता है । बुद्धि से सोचकर पीछे जो कर्म किया जाता है, वह सर्वो- उत्तम होता है ।

जिसने सब प्रकार के दोषों का त्याग कर दिया है, वह धीर शासक यदि किसी वस्तु की कामना करे तो वह थोड़ा-सा बल लगाने पर भी अपने सम्पूर्ण कामनाओं को प्राप्त कर लेता है । जो आवश्यक वस्तुओं से सम्पन्न होने पर भी अपने लिये कुछ चाहता है अर्थात् दूसरों से अपनी इच्छा पूरी कराने की आश रखता है, वह लोभी और अहङ्कारी शासक अपने श्रेय का छोटा-सा पात्र भी नहीं भर सकता ।

इसलिये शासक को चाहिये कि वह सारी प्रजा पर अनुग्रह करते हुए ही उससे कर (धन) वसूल करे । वह दीर्घकाल- तक प्रजा को सता कर उस पर बिजली के समान गिरकर अपना प्रभाव न दिखाये ।

विद्या, तप तथा प्रचुर धन- ये सब उद्योग से प्राप्त हो सकते हैं । वह उद्योग प्राणियों में बुद्धि के अधीन होकर रहता है; अतः उद्योग को ही समस्त कार्यों की सिद्धि का पर्याप्त साधन समझे ।

अतः जहाँ ज्ञानेन्द्रियों में बुद्धिमान् एवं मनस्वी महर्षि निवास करते हैं, जिसमें इन्द्रियों के अधिष्ठातृ देवता के रूप में इन्द्र, विष्णु एवं सरस्वती का निवास है तथा जिसके भीतर सदा सम्पूर्ण प्राणी वास करते हैं अर्थात् जो शरीर समस्त प्राणियों के जीवन-निर्वाह का आधार है, विद्वान् पुरुष को चाहिये कि उस मानव-देह की अवहेलना न करे ।

शासक लोभी मनुष्य को सदा ही कुछ देकर दबाये रक्खे; क्योंकि लोभी पुरुष दूसरे के धन से कभी तृप्त नहीं होता । सत्कर्मों के फलस्वरूप सुख का उपभोग करनेके लिये तो सभी लालायित रहते हैं; परंतु जो लोभी धनहीन है, वह धर्म और काम दोनों को त्याग देता है ।

शशिकान्त जोशी
सम्पादक

भाग्यलक्ष्मी वर्मा का केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सीयूईटी दिल्ली यूनिवर्सिटी में हुआ चयन

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) 03 अगस्त। स्थानीय ईस्ट वेस्ट पब्लिक स्कूल की पुरातन छात्रा व सेवानिवृत्त हिंदी व्याख्याता अर्जुनलाल वर्मा की सुपौत्री भाग्यलक्ष्मी वर्मा सुपुत्री परमेश्वरलाल वर्मा का केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सीयूईटी दिल्ली यूनिवर्सिटी में चयनित होने पर ईस्ट वेस्ट स्कूल की तरफ से गुरूवार को छात्रा के घर जाकर माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी । इस अवसर पर अर्जुनलाल वर्मा, संस्था प्रभारी विनीत व नवीन पारीक एवम शिक्षिकाएं मौजूद रही ।

ओलंपिक खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ समापन

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) 9 अगस्त । जिला कलेक्टर सौरव स्वामी ने संबोधित करते हुए खिलाड़ियों से कहा कि खेलों में हार-जीत कोई मायने नहीं रखती। खेलों में हार और जीत दोनों ही हमें सिखाती है। खेल में किसी भी प्रकार की द्वेषता नहीं रखनी चाहिए। खेलों के माध्यम से शारीरिक और बौद्धिक विकास होता है।

जिला कलेक्टर गुरुवार को यहाँ स्टेडियम में चल रहे ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन में खेल को निरंतर बनाए रखना चाहिए।साथ ही कार्यक्रम के दौरान मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत मिटी को नमन व वीरों को वंदन का लोकार्पण किया गया और अधिकारियों ने पौधरोपण किया इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में नन्ही बालिकाओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी। पांच दिवसीय राजीव गांधी शहरी एवं ग्रामीण ओलंपिक खेलकूद प्रतियोगिता के समापन पर विजेता खिलाड़ियों और टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया । इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी राजेश मीणा,नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी डॉ अशोक चौधरी, उपनिदेशक पशुपालन विभाग डॉ मोहन भोगे,शिक्षा विभाग के उपनिदेशक रामनिवास शर्मा, लक्ष्मणगढ़ उप जिला अस्पताल के डॉ अटल भास्कर, प्रधान मदन सेवदा, नगरपालिका अध्यक्ष मुस्तफा कुरैशी, उपाध्यक्ष बनवारी पाण्डेय, विप्र कल्याण बोर्ड के सदस्य पवन बुटोलिया मंचस्थ थे। कार्यक्रम का संचालन विमला महरिया व मुस्तफा कुरैशी ने किया।

निकेतन के विद्यार्थियों ने एक बार फिर लहराया योग्यता का परचम

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) 7 अगस्त | चार्टेड अकॉउंटेन्ट की फाउंडेशन परीक्षा में निकेतन के 5 विद्यार्थियों ने अपनी योग्यता साबित कर परिवार, विद्यालय एवं नगर का नाम रोशन किया।

गोविंद सोनी सुपुत्र महेंद्र सोनी, यशवर्धन पारीक सुपुत्र महेंद्र पारीक, पुनीत खेड़िया सुपुत्र महेंद्र खेड़िया, हिमांशु सैनी सुपुत्र सुभाष कुमार सैनी, एवं दीक्षा पंसारी सुपुत्री मनोज पंसारी ने व्यावसायिक क्षेत्र की सी ए फाउंडेशन की परीक्षा उत्तीर्ण कर चार्टर्ड अकाउंटेंट की राह की पहली सीढ़ी पार कर अपनी योग्यता का लोहा मनवाया।

निकेतन सचिव पवन गोयनका, प्राचार्या मधुलिका मिश्र, व्याख्याता विपिन शर्मा व गणेश शर्मा व निकेतन प्रबंधन एवं समस्त शिक्षक गणों ने उन्हें उनकी सफलता पर बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

परिस देशमुख होंगे सीकर के एसपी

SP परिस देशमुख का सीकर में हुआ तबादला, परिस देशमुख अब होंगे सीकर के एसपी, श्रीगंगानगर में परिस देशमुख का 5 माह 16 दिन का रहा कार्यकाल, SP परिस देशमुख ने श्रीगंगानगर में नशे के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाहियाँ की, गैस्ट्रो के खिलाफ भी की बड़ी कार्रवाहियाँ, परिस देशमुख के रहते श्रीगंगानगर में अपराधियों में भय व्याप्त था |

सत्येन्द्र सिंह संभालेंगे महानिरीक्षक पुलिस का पदभार

नव नियुक्ति आईजी आज करेंगे पदभार ग्रहण आईजी सत्येन्द्र सिंह , आज 12.15 बजे, के करीब नवगठित सीकर संभाग के प्रथम महानिरीक्षक पुलिस के रुप में करेगे पदभार ग्रहण पुलिस लाइन (पुलिस कंट्रोल रूम के पास) सिल्वर जुबली रोड, सीकर स्थित कार्यालय में ग्रहण करेंगे।

रामनिवास कुमावत ने संभाला नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी का पदभार

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) 10 अगस्त। स्वायत्त शासन विभाग की ओर से जारी तबादला सूची में लक्ष्मणगढ़ नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी डॉ अशोक चौधरी का रतननगर तबादला किया गया है।जबकि डॉ चौधरी के स्थान पर रामनिवास कुमावत को अधिशाषी अधिकारी लगाया गया है। कुमावत को मुकुन्दगढ़ से लक्ष्मणगढ़ लगाया है। जो शुक्रवार को लक्ष्मणगढ़ पालिका में अधिशाषी अधिकारी का पदभार ग्रहण करेंगे।

लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बीदासर गांव के रहने वाले हैं। राजस्थान लोक सेवा आयोग से सांख्यिकी अधिकारी के रूप में चयनित हुए । कुमावत की प्रथम नियुक्ति जिला परिषद जालोर में हुई। इसके बाद झुंझुनूं शिक्षा विभाग में आठ साल पदस्थापित रहे । तथा बाद में 5 वर्ष तक चिकित्सा विभाग में पदस्थापित रहे जहां से नवलगढ़ में महिला एवं बाल विकास विभाग में 4वर्ष तक कार्यभार संभाला।नवलगढ़ से पुनः नगर परिषद झुंझुनूं लगाया गया जहां चार वर्ष तक पदस्थापित रहे। इसके बाद 6 झुंझुनूं नगर परिषद में छह माह कमिश्नर के पद का कार्यभार संभाला तथा जहां से मुकुंदगढ़ नगरपालिका में अधिशाषी अधिकारी के रूप पदभार संभाला कुमावत मुकुंदगढ़ नगरपालिका में करीब साढ़े तीन साल तक अधिशाषी अधिकारी रहे जहां से विभाग ने गुरुवार को जारी तबादला सूची में लक्ष्मणगढ़ नगरपालिका मे अधिशाषी अधिकारी लगाया है।

भव्या फाउंडेशन द्वारा लक्ष्य पब्लिक स्कूल के दो स्टूडेंट्स को किया सम्मानित

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) | बीदासर को लक्ष्य पब्लिक स्कूल के दो स्टूडेंट्स को जयपुर में सम्मानित किया गया। स्कूल के निदेशक प्रदीप कृष्णियां ने बताया कि भव्या फाउंडेशन की ओर से जयपुर में हुए कार्यक्रम में कक्षा आठ की यशस्विनी को ब्रांड एम्बेसडर का ताज देकर सम्मानित किया गया। कक्षा नौ की छात्रा अभिलाषा को काकुल स्मृति में नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा स्कूल की प्राचार्य प्रतिभा सोती को स्कूल द्वारा लगातार राज्य में मेरिट देने, अन्य प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने व उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। प्रदीप कृष्णियां ने भव्या फाउंडेशन का आभार जताया।

बुधगिरी मंढी पर भगवान शिव की पूजा अर्चना

फतेहपुर (निजसंवाददाता)। ऐतिहासिक बुधगिरी बाबा की मंढी पर सावन माह मे चल रहे अनुष्ठानों के तहत सोमवार को मंत्रोच्चारण के साथ धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बुधगिरी मंढी पर महन्त दिनेश गिरी महाराज के सांनिध्य मे भगवान शिव का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक कर विशेष पूजा अर्चना कर आरती की गई। महन्त दिनेश गिरी महाराज ने बताया कि सावन माह में चल रहे शिवोत्सव के तहत प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे पं. सुशील मिश्र के सानिध्य में मंत्रोचारण के साथ भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना की जा रही है। मंढी महन्त दिनेश गिरी महाराज ने बताया कि सावन माह में एक दिव्य और सर्वमनोकामना सिद्धि धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। महाराज ने बताया कि मंढी परिसर में आयोजित शिवोत्सव के दौरान सवा करोड पंचाक्षर मंत्रों का जाप विद्वान पण्डितों की ओर से प्रतिदिन महारुद्राभिषेक के पाठों का आयोजन किया जा रहा है तथा शिव महायज्ञ सहित आध्यात्मिक संवाद का भी रोजना आयोजन किया जा रहा है। आयोजित धार्मिक महोत्सव के दौरान 108 युवाओं की ओर से प्रतिदिन नमः शिवाय का जाप किया जा रहा है। इस अवसर पर मंढी परिसर पूरी तरह से नमः शिवाय के मंत्रौच्चारण से गूंजायमान हो रहा है। सावन माह के दौरान मंढी पर परिसर पर दिन भर श्रद्धालुओं का दर्शनार्थ तांता लगा रहता है। महन्त दिनेशगिरी महराज ने बताया कि इस धार्मिक कार्यक्रम के दौरान ही शाम को प्रतिदिन हवन यज्ञ का आयोजन किया जाता है तथा यहाँ पर नमः शिवाय का वाचन करने वाले युवाओं को आध्यात्मिकता से जोड़ने तथा उनके शारीरिक विकास के लिए व्यायाम एवं खेल कूद का आयोजन किया जा रहा है। मंढी पर सुबह प्रतिदिन विभिन्न खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जिसमे युवा उत्साह के साथ भाग ले रहे है। सोमवार को मंढी परिसर पूरी तरह शिवमय बनी हुई थी एवं महिलाओ की ओर से वन सोमवार का आयोजन किया गया तथा भजन कीर्तन के आयोजन भी किए गए।

स्वामी केशवानंद शिक्षण संस्थान समूह ढाडर के पूर्व छात्र अजय सिंह ने कनाडा में चल रहे वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में भारत का लहराया परचम ।

मंगलवार सुबह अजय डागर ने भारत की तरफ से खेलते हुए तैराकी में देश के लिए दो गोल्ड मैडल जीते। 100 मीटर बैक स्ट्रोक में गोल्ड मैडल के साथ 4/100 मीटर रिले में भी गोल्ड मैडल जीता। अजय सिंह ने तैराकी की शुरुआत केशवानन्द के तरणताल से की थी। इसी तरणताल से अजय सिंह ने केशवानन्द में 2016 से 2022 तक पढ़ते हुए तैराकी कोच प्रकाश भगत के प्रशिक्षण से ऑल इण्डिया सीबीएसई में भी गोल्ड मैडल के साथ राष्ट्रीय स्तर, खेलो इंडिया, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक उपलब्धियां हासिल की है। संस्थान के लिए यह बहुत की गौरव की बात है। इस अवसर पर संस्थान में पटाखे चलाकर खुशियां मनाई एवं संस्थान निदेशक रामनिवास ढाका, सहनिदेशक गोपाल सिंह ढाका, चेयरमैन सुरेन्द्र सिंह सहित प्रबंधन सदस्यों ने शुभकामनाएं दी हैं।

तिरंगे से किया भगवान् शिव का श्रृंगार

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) 14 अगस्त | स्थानीय श्री मुरली मनोहर मंदिर में सावन माह के चौथे सोमवार को बालाजी सेवा मंडल के सदस्यों द्वारा शिवलिंग को लाइटिंग और आर्टिफिशियल से डेकोरेशन कर तिरंगा बनाकर अलौकिक, भव्य श्रृंगार किया गया । इस अवसर पर नगर के सैकड़ों की संख्या में महिलाएं व पुरुष बच्चे उपस्थित रहे। सभी श्रद्धालुओं को आरती का सौभाग्य प्राप्त हुआ |

लक्ष्मणगढ़ के अपूर्व स्वतंत्रता सैनानी श्री व्यंकटेश पारीक ने भारत माता की बेड़िया काटने में निभाई अहम भूमिका

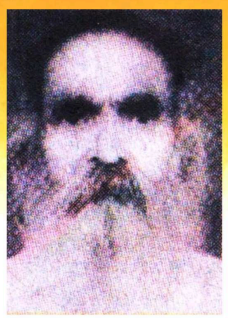

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में जिन महार्थियों ने कमान संभाली और भारत माता की बेड़िया काटी उनमें शेखावाटी के सपूत व्यंकटेश पारीक का नाम स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। सीकर से 30 किलोमीटर दूर लक्ष्मणगढ़ में जानकीलाल पारीक के यहां इनका जन्म हुआ। पारीक ने उस काल में संस्कृत और भारतीय साहित्य में अध्ययन किया। गुरूकुल में अध्ययनरत रहे। जिससे भारतीय संस्कृति व मूल्यों के प्रति आस्था विद्यार्थी काल से हो गई थी।

पारीक उग्र स्वभाव के क्रांतिकारी युवा थे। साथ ही ओजस्वी और प्रभावशाली वक्ता भी थे। सन् 1930 के नमक सत्याग्रह से प्रेरणा लेकर समाजसेवा के कार्य में लग गए। तिलक के स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध है के नारे के साथ महात्मा गांधी का संदेश गांव-गांव तक फैलाने में लग गए। सोकर जिले के एक-एक गांव में अनेकों बार घूम-घूमकर जनता को जमीदारों के विरूद्ध उठ खड़े रहने की प्रेरणा दी। भाषण देना और अपने से सर्व सामान्य जन को प्रभावित करना तथा उनको अपने साथ जोड़ने की इनमें अद्भुत क्षमता थी। इनके जन आन्दोलन से सोकर राव राजा, खुडी, अलसीसर के जागीरदार सख्त नाराज हो गए। यह समय अनेक आन्दोलनों का था। पारीक को सीकर ठिकाने ने अनेक बार गिरफ्तार किया। कड़ी सजा एंव यातनाएं भी दी गई। लेकिन वे गांधी के बताए अहिंसा के मार्ग पर चलते रहे। आजादी के संघर्ष में इनका भी बहुत बड़ा योगदान है। आजादी के इस पावन पर्व पर आजादी के दीवाने लक्ष्मणगढ़ के सपूत श्री व्यंकटेश पारीक को नमन करते है।

शोक सम्वेदना

श्री शारदा सदन पुस्तकालय, गौड़ ब्राह्मण महासभा, बड़ी गौड़ पंचायत (छ ॐ न्याती), शतरंज एसोसिएशन, साहित्य परिषद्, श्रीराम सांस्कृतिक परिषद् – पण्डित परिषद् एवं आध्यात्मिक उत्थान मण्डल के कार्यकर्ताओं ने बगड़िया स्कूल के सेवानिवृत्त अध्यापक श्री गुलाब राय जोशी पुत्र स्व. श्री सूरजमल शास्त्री के निधन पर अपना गहरा दुःख एवं उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुये स्वर्गीय आत्मा को सविनय अपनी हार्दिक श्रद्धांजली अर्पित की तथा परमपिता परमात्मा से उन्हें अपने श्री चरणारविन्द में स्थान देने की प्रार्थना की |

वे सौम्य, अत्यन्त मिलनसार एवं उदार व्यक्ति थे | उनके निधन से समाज उनकी सेवा से सदा के लिए वंचित हो गया है | कार्यकर्ताओं ने उनकी आत्मा की शाश्वत शांति के लिए दो मिनट का मौन रख कर उनके परिवार को यह असह्य दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए प्रभु स्मरण किया |

।। हरि ॐ तत्सत् ।।

श्री शारदा सदन पुस्तकालय, गौड़ ब्राह्मण महासभा, बड़ी गौड़ पंचायत (छ ॐ न्याती), शतरंज एसोसिएशन, साहित्य परिषद्, श्रीराम सांस्कृतिक परिषद् – पण्डित परिषद् एवं आध्यात्मिक उत्थान मण्डल के कार्यकर्ताओं ने श्री जगदीश प्रसाद ध्यावड़ा के निधन पर अपना गहरा दुःख एवं उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुये स्वर्गीय आत्मा को सविनय अपनी हार्दिक श्रद्धांजली अर्पित की तथा परमपिता परमात्मा से उन्हें अपने श्री चरणारविन्द में स्थान देने की प्रार्थना की |

वे अत्यन्त मिलनसार, ईमानदार एवं उदार व्यक्ति थे | कार्यकर्ताओं ने उनकी आत्मा की शाश्वत शांति के लिए दो मिनट का मौन रख कर उनके परिवार को यह असह्य दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए प्रभु स्मरण किया |

।। हरि ॐ तत्सत् ।।

श्री शारदा सदन पुस्तकालय, गौड़ ब्राह्मण महासभा, बड़ी गौड़ पंचायत (छ ॐ न्याती), शतरंज एसोसिएशन, साहित्य परिषद्, श्रीराम सांस्कृतिक परिषद् – पण्डित परिषद् एवं आध्यात्मिक उत्थान मण्डल के कार्यकर्ताओं ने प्रिय श्री सुरेन्द्र मिश्र आत्मज श्री महावीर प्रसाद मिश्र – नगर के अत्यन्त प्रज्ञावान, उत्साही, कर्मठ एवं कुशल सुपुत्र थे |

क्रूर विधि की विडम्बना से उन्हें असमय सब कुछ छोड़कर दि. 7 अगस्त 2023 को मौत का आलिंगन करना पड़ा | उनके सभी प्रशंसकों – सद्भावियों – सहयोगियों एवं आत्मीयों को आँसू पीकर उन्हें हँसते - हँसते विदा करना पड़ा | निष्ठुर एवं क्रूर विधि को करुणा नहीं आई | सभी को रोते रोते श्रद्धांजलि सादर – श्रद्धांजलि देनी पड़ी | उनकी आत्मा को शाश्वत शान्ति मिले | उन्हें सर्वेश्वर शिव अपने श्री चरणों में स्थान दें | सादर राम राम करते भावांजली, श्रद्धांजलि | यही है संसार का विपथगामी क्रूर चक्र | इस वज्रपात से व्याकुल उनके परिवार को भगवान् शान्ति प्रदान करें |

।। हरि ॐ तत्सत् ।।

सम्पादक,प्रकाशक,मुद्रकः शशिकान्त जोशी, जयन्ती प्रकाशन लक्ष्मणगढ़ (सीकर) राजस्थान | कृष्णा प्रिन्टर्स के लिये सागर कम्प्यूटर, जयपुर द्वारा मुद्रित | प्रबन्ध सम्पादक- डॉ. महेन्द्रआचार्य, समाचार सम्पादक- भानुप्रकाश जोशी
शेखावाटी सन्मार्ग को online पढ़ने के लिये www.srrividya.com वेब साईट विजिटकरें |